कायर जिवडो डरे मन मायलो अब थोडी महर करो गुरासा

कायर जिवडो डरे मन मायलो,
कायर जिवडो डरे मन मायलों,
सिर पर हाथ धरो रे गुरासा,
अब थोडी महर करो रे हा।bd।

लख चौरासी भटकत भटकत,
लख चौरासी भटकत भटकत,
नव नव जूनी धारो,
अब तो आयो शरण आपरी,
अब तो आयो शरण आपरी,
कोई मत तोप करो रे गुरासा,
अब थोडी महर करो रे ए हा।bd।

डरीयोडो जीव ने धीरज राखो,
डरीयोडो जीव ने धीरज राखो,
पल में पार करो रे हा,
आप बिना चौरासी कुन मेटे,
आप बिना चौरासी कुन मेटे,
करोड़ उपाय करो रे गुरासा,
अब थोडी महर करो रे ए हा।bd।

पारस देख लोहा मत ललचे,
पारस देख लोहा मत ललचे,
कर्मा रो किट घडो रे हा,
तोवन सोनो करो सोलमो,
तोवन सोनो करो सोलमो,
कंचन माल घडो रे गुरासा,
अब थोडी महर करो रे ए हा।bd।

रामानंद विपद लिख दिनी,
रामानंद विपद लिख दिनी,
दुर्गम देश करो रे हा,
कहत कबीर सुनो भई संतो,
कहत कबीर सुनो भई संतो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अब क्यु ढिल करो रे गुरासा,
अब थोडी महर करो रे ए हा।bd।

कायर जिवडो डरे मन मायलो,
कायर जिवडो डरे मन मायलों,
सिर पर हाथ धरो रे गुरासा,
अब थोडी महर करो रे हा।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com